पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.09.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-08 आश्विन-2080 दयानन्दाब्द 200 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2023 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.09.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज जोरबाग में श्री कृष्ण जन्मोत्सव सम्पन्न

युवा हिन्दू होने पर गर्व करना सीखें – सांसद डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी
श्रीकृष्ण के उज्ज्वल पक्ष को सामने लाएं – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 3 सितम्बर 2023, आर्य समाज जोर बाग लोधी रोड नई दिल्ली में श्रावणी पर्व व श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 'आर्य हिंदू पुनरूत्थान' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य श्याम बिहारी मिश्रा ने यज्ञ करवा कर किया। मुख्य अतिथि सांसद प्रखर राष्ट्रवादी चिन्तक डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि युवा अपने हिन्दू होने पर गर्व करना सीखें तभी हिन्दुत्व का पुनरूत्थान हो सकता है।उन्होंने कहा कि आज इस्लामिक व ईसाइयत हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर उनके सफाए के लिए लगी हुई है।आर्य समाज एक जागरूक आन्दोलन है इसे चाहिए कि वह हिन्दुत्व की रक्षा के लिए आगे आए।महर्षि दयानंद ने हमें राष्ट्रवादी चिन्तन दिया उसे घर घर पहुंचाने का संकल्प लें।आज बहुत सारे देश जो कभी हिन्दू बहुल होते थे वह इस्लामिक देश बन गए हैं। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन पर्यन्त कोई बुरा काम नहीं किया उनके बारे में फैली भ्रान्तियो को दूर कर उनके उज्ज्वल पक्ष को सामने लाने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र विरोधी शक्तियां सिर उठा रही हैं हिन्दू समाज को जागरूक व संगठित होकर उनका मुकाबला करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता सुरेन्द्र रैली ने की उन्होंने बढ़ते पाखण्ड अंधविश्वास के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम का कुशल संचालन वैदिक विद्वान आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र ने किया। गायिका सुदेश आर्या के मधुर भजन हुए। समाज के प्रधान हरीश धवन व मंत्री महेन्द्र जेटली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रमुख रुप से संजय गांधी, रविन्द्र आर्य, चतर सिंह नागर, राजेश मेंहदीरता, प्रकाशवीर शास्त्री, अनुराग मिश्रा, डॉ. सत्येन्द्र सेठी , रामनिवास शास्त्री आदि उपस्थित थे।

दिल्ली चलो दिल्ली चलो दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 45वें स्थापना दिवस पर

'महर्षि दयानंद 200 वी जयंती महोत्सव'

रविवार 8 अक्टूबर 2023, प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

स्थानः आर्य समाज, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (निकट मेट्रो स्टेशन लाजपत नगर)

अध्यक्षता : **डॉ. अशोक के चौहान जी** (संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान)

मुख्य अतिथि : **श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी** (केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार)

श्री प्रवेश वर्मा जी (संसद सदस्य)

देश भर से चुने हुए आर्य युवा प्रतिनिधियों का भव्य समागम

प्रातः नाश्ता सुबह 9.30 से 10.30 तक एवम प्रीति भोज दोपहर 2 से 3 बजे तक

आप सादर आमंत्रित हैं। बाहर से पहुंचने वाले प्रतिनिधि शीघ्र सूचित करें जिससे आवास, भोजन आदि का प्रबन्ध किया जा सके

निवेदकः

अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष) **महेन्द्र भाई** (राष्ट्रीय महामंत्री) **देवेन्द्र भगत** (राष्ट्रीय मंत्री) **धर्मपाल आर्य** (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 573वां वेबिनार सम्पन्न

'आजादी के तराने' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

वीरों का बलिदान युवाओं को प्रेरणा देता रहेगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 16 अगस्त 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'आजादी के तराने' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 566 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वीर शहीदों ने अपने जीवन को राष्ट्र के लिए आहूत करके आजादी के तराने लिखे। उनके बलिदान के कारण ही आज हम आजादी में सांस ले पा रहे हैं।किसी भी राष्ट्र का इतिहास उसके युवाओं के बलिदान से ही लिखा जाता है और भारत मां शेरों की जननी है इसकी रक्षा के लिए अनेकों क्रांतिकारियों ने बलिदान दिया है तब यह आजादी का दिन आया है।अब भावी पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह आजादी की रक्षा करें।उन्होने धारा 370 हटाने के निर्णय का पुरजोर स्वागत किया उन्होने बताया कि वह स्वयं एक सप्ताह कश्मीर देख कर आए हैं पूरा वातावरण शांत, समृद्ध,प्रेम से परिपूर्ण हो गया है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया और अध्यक्ष विजय कपूर ने राष्ट्र रक्षा की शपथ दिलाई। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा, रचना वर्मा, सुनीता अरोड़ा, वीरेन्द्र कुमार, दीप्ति सपरा, निताशा कुमार, राजश्री यादव,नरेश खन्ना,सरला बजाज, सुनीता बुग्गा आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाए।

'जीवन में समग्र पोषण की भूमिका' गोष्ठी सम्पन्न

स्वस्थ समाज व राष्ट्र के लिए समग्र पोषण आवश्यक है –प्रो. करूणा चांदना

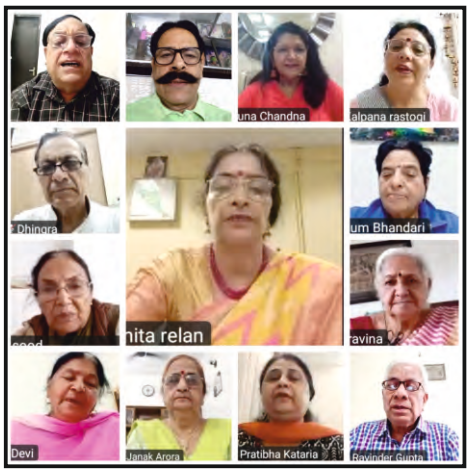

सोमवार 21 अगस्त 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'जीवन में समग्र पोषण की भूमिका' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 567 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करूणा चांदना ने कहा कि सितंबर माह सही पोषण के लिए अनिवार्य है माननीय मोदी जी ने 2018 में समग्र पोषण अभियान के लिए व्यापक योजना शुरू की थी ताकि बच्चों गर्भवती महिलाओं,स्तनपान करने माता और किशोरियों की जो बढ़ती हुई कुपोषण और एनीमिया की समस्या है उसकी और जागरूकता बढ़े।तेज गति के इस युग में लोग स्वास्थ्य और पोषण को लेकर काफी जागरूक हो गए हैं इसके साथ ही सेडेंट्री लाइफस्टाइल जीने लगे हैं। प्रोसैस्ड,जंक,डिब्बा बंदी खाना खाने लगे हैं जिससे शरीर में रसायन कीटनाशक विषैला तत्व घुसने शुरू हो गए हैं जिससे शरीर बीमारियों का शिकार होने लगा है। इस समस्या से निदान पाने के लिए समग्र पोषण बहुत ही उपयोगी विकल्प है समग्र पोषण से अभिप्राय न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक,संवेगात्मक, आध्यात्मिक दृष्टि से पोषण लेना अर्थात सात्विक जीवन शैली तथा सात्विक भोजन अपनाना है। पोषण का आधार भोजन में सभी खाद्य वर्ग जैसे साबुत अनाज दालें प्लांट बेस्ड फल और सब्जियां सही प्रोटीन,कार्बोहाइड्रेट तथा हेल्दी फैट्स शामिल करना है इसके अलावा सचेत भोजन, उचित पेय पदार्थों का सेवन, प्राकृतिक खाना जो कि कृत्रिम योजक कृत्रिम परिरक्षक तथा विषैला पदार्थ से रहित हो क्योंकि ऐसा खाना खाने से ही निश्चित रूप से व्यक्ति की भूख शांत होती है और किसी वजह से गलत खान–पान से अगर शरीर में कोई कमी भी आ जाए तो शरीर अपनी जन्मजात क्षमता से स्वयं ही हील कर लेता है यानी बॉडी सेल्फ रिस्टोर,रीजेनरेट,री बैलेंस कर लेती है।समग्र पोषण शरीर दिमाग को पोषण देने का व्यापक दृष्टिकोण है यह बॉडी,माइंड तथा आत्मा के अंतः संबंध पर जोड़ देता है के अनुसार व्यक्ति के अस्तित्व के सभी पहलू घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं मानसिक स्वास्थ्य और समग्र पोषण का गहरा संबंध है व्यक्ति अगर समग्र पोषण के साथ व्यायाम योग ध्यान प्राणायाम करता है तो उसका मानसिक तनाव कम होता है,मनोदशा स्थिर होती है व्यक्ति समृद्ध खुशहाल स्वस्थ जीवन जीता है उसकी सहनशक्ति बढ़ती है स्टेमिना बढ़ता है ऊर्जा, उमंग, उत्साह जीवन शक्ति बढ़ती है।वैदिक शैली के अनुसार समग्र पोषण न केवल अंग प्रत्यंग को पोषित और संतुलित करता है बल्कि लंबे समय तक समग्र पोषण करने से स्वस्थ दिमाग स्वस्थ आत्मा होने लगती है जिससे रोग स्वयं ही उलट जाते हैं और व्यक्ति जब स्वयं को हर दृष्टि से स्वस्थ पाता है तो वह स्वस्थ समाज,स्वस्थ राज्य और स्वस्थ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भागीदारी देना शुरू कर देता है। मुख्य अतिथि अनिता रेलन व डॉ. कल्पना रस्तोगी ने भी जीवन शैली,आहार विहार पर प्रकाश डाला। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया और प्रवीण आर्य ने धन्यवाद् ज्ञापित किया।

'योगीराज श्रीकृष्ण जी' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

श्रीकृष्ण महाज्ञानी, महामित्र, महासारथि, महानितिज्ञ थे –आचार्य चंद्रशेखर शर्मा

शुक्रवार 8 सितम्बर 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'योगीराज श्री कृष्ण जी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 572 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्र शेखर शर्मा (ग्वालियर) ने सुदामा का उदाहरण देते हुए महामित्र की संज्ञा दी।अर्जुन का सारथी बनने को महा सारथि बताया। महाभारत युद्ध में पांडवो की विजय को महा नितिज्ञ ही सफल बना सकता है।युद्ध के मैदान में गीता का सन्देश देना महा ज्ञानी ही यह कर सकता है। व्यक्ति, श्री कृष्ण जी से बहुत कुछ सीख सकता है।आज आवश्यकता है कि हम श्री कृष्ण के आदर्शों को जीवन में धारण करें। मुख्य अतिथि आर्य नेता महेन्द्र नागपाल व अध्यक्ष पूजा सलूजा ने भी संबोधित करते हुए श्री कृष्ण के गुणों का बखान किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने श्री कृष्ण को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने वाला बताया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कमला हंस, रचना वर्मा, सरला बजाज, जनक अरोड़ा, ऊषा सूद, प्रतिभा खुराना, नरेश खन्ना, आदर्श सहगल,कौशल्या अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

राजेन्द्रपाल सिंह वर्मा प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज सुन्दर विहार दिल्ली के वार्षिक चुनाव में श्री राजेन्द्र पाल सिंह वर्मा प्रधान, श्री अमरनाथ बत्रा मंत्री, श्री प्रहलाद सिंह आर्य कोषाध्यक्ष व संजीव आर्य कार्य कारी मंत्री चुने गए। युवा उदघोष की ओर से हार्दिक बधाई।

जहां होता है भरपूर काम
और प्रभु का गुणगान
आर्य युवक परिषद्
है उसका नाम

'योगीराज श्रीकृष्ण जी' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

श्रीकृष्ण मानवता के रक्षक थे –आचार्य श्रुति सेतिया

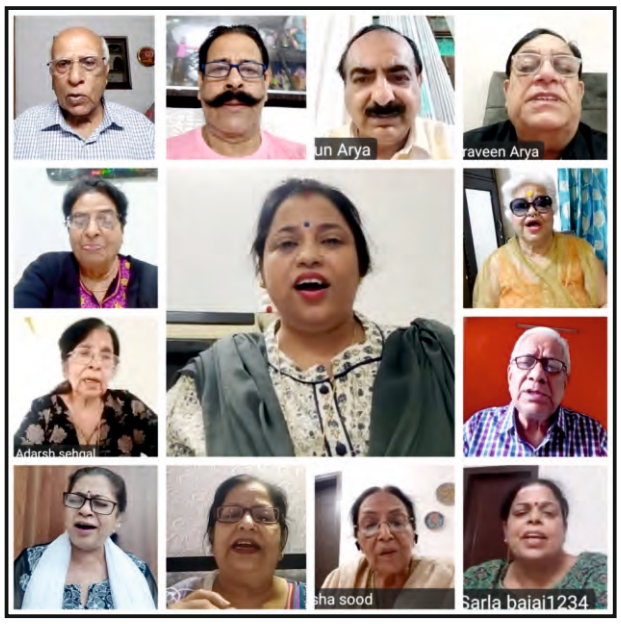

सोमवार, 4 सितम्बर 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'योगीराज श्रीकृष्ण जी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 571 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि भारत देश की विशेषता, महत्व, आकर्षण एवम सौभाग्य रहा कि इसे ऋषि,मुनि, तपस्वी,प्रेरक महापुरुषों की विरासत व परम्परा मिली है। दिव्यात्मा, पुण्य आत्मा महापुरुषों की लम्बी परम्परा में भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, योगिराज श्रीकृष्ण का नाम बड़ी श्रद्धा,सम्मान और पूज्यभाव से लिया जाता है।उनका व्यक्तित्व एवम कृतृत्व प्रेरक,आकर्षक, लोकोपारक,बहुआयामी तथा चुंबकीय था। श्रीकृष्ण पुण्यात्मा, धर्मात्मा,तपस्वी,त्यागी,योगी, वेदज्ञ, कूटनीतिज्ञ,लोकोपकारक, खण्ड खण्ड भारत की अखण्ड देखने के स्वप्नदृष्टा आदि अनेक गुणों वा विशेषताओं से विभूषित थे।वे मानवता के रक्षक,पालक और उद्धारक थे। उनके जीवन का उद्देश्य था परित्राराय साधुनाम , सत्पुरुषों वा धर्मात्माओं की रक्षा हो तथा विनाशाय दृष्कृताम, पापी,अपराधी तथा दृष्ट प्रकृति के लोगों का दलन हो और धर्म संस्थापनार्थ,सत्य,धर्म,न्याय की सर्वत्र स्थापना होनी चाहिए। संसार के इतिहास में श्रीकृष्ण जैसा निराला,विलक्षण,अदभुत, आदित्य,विशवबंधुत्व महापुरुष ना मिलेगा। यदि किसी महापुरुष में वेद, दर्शन, योग, आध्यात्म, इतिहास, साहित्य, कला, राजनीति, कूटनीति आदि सभी एकत्र देखने हैं तो वह अकेले देवपुरुष श्रीकृष्ण हैं। सत्य ये है कि दुनियां के नादान लोगों ने उस योगिराज कृष्ण का भेद नहीं जाना।सत्य,न्याय,धर्म और मानवता की रक्षा के लिए नाना रूप धारण करने पड़े।जीवन में कभी निराश,हताश,उदास व दुखी नजर नहीं आए।यही उनके जीवन की समरसता एवम महापुरुषत्व है। उनके जीवन से ऐसी शिक्षा एवम् प्रेरणा लेनी चाहिए।श्रीकृष्ण का असली स्वरूप महाभारत में ही मिलता है।संपूर्ण महाभारत में तठस्थ रहते हुए भी सत्य,न्याय, धर्म के लिए अहम भूमिका निभाते हैं।संसार उनके कर्म कौशल के आगे नतमस्तक है। संसार का दुर्भाग्य है की श्रीकृष्ण के सत्यस्वरूप, जीवन दर्शन के साथ अन्याय वा धोखा हो रहा है। आज योगिराज श्रीकृष्ण का अश्लील,भोगी,विलासी,लंपट, पनघट पर गौपीकाओ को छेड़ने वाला आदि दिखाया,सुनाया, पढ़ाया तथा बताया गया है।सच्चे अर्थों में ये उनका प्रमाणिक जीवन चरित्र नहीं था। आज की पीढ़ी उन्हीं बातों को सच व ऐतिहासिक मान रही है।आर्य समाज महापुरुषों के उज्वल, प्रेरक चारित्रिक गरिमा की रक्षा का सदा पक्षधर रहा है।प्रतिवर्ष श्रीकृष्ण के जन्म को जन्माष्टमी के रूप में बड़ी धूमधाम से कृष्ण लीला,रासलीला,झाकियां और तरह तरह के कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है और करोड़ों का बजट चकाचौंध में चला जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण अवसर पर काल्पनिक,चमत्कारी और अतिश्योक्ति पूर्ण बातें छोड़ कर श्रीकृष्ण जैसे महापुरुषों द्वारा दिए गए उपदेशों,विचारों व ग्रंथो पर चिंतन,मनन व आचरण की शिक्षा लेनी चाहिए तभी महापुरुषों को स्मरण करने तथा जन्मोत्सव मनाने की सार्थकता, उपयोगिता और व्यावहारिकता है। मुख्य अतिथि आर्य नेता राजेश मेंहदीरत्ता व अध्यक्ष अरुण आर्य ने भी अपने विचार रखे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि आज श्री कृष्ण के सच्चे स्वरूप से परिचय करवाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता,पिंकी आर्या, कमला हंस, प्रतिभा खुराना, सुनीता अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कुसुम भण्डारी, आदर्श सहगल, कौशल्या अरोड़ा, ऊषा सूद, सरला बजाज आदि उपस्थित थे।

'सामवेद के प्रथम मन्त्र की व्याख्या' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

प्रथम मंत्र वेद का प्रवेश द्वार है –अतुल सहगल

शुक्रवार 1 सितम्बर 2023, केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्त्वावधान में सामवेद के प्रथम मंत्र की व्याख्या प्रस्तुत की गई।यह करोना काल से 570 वाँ वेबीबार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल द्वारा श्सामवेद (अग्नेयं पर्व) का प्रथम मन्त्र की विस्तृत व्याख्या की गई श्स उन्होंने भूमिका के रूप में हर वेद के प्रथम मन्त्र की बात रखी और यह कहा कि प्रथम मन्त्र उस वेद कि खिड़की या द्वार के समान होता है जो उस वेद का प्रस्तुतिकरण करते हुए उसका दिग्दर्शन कराता है,उसकी झलकियां दिखाता है।सामवेद उपासना का वेद है और इसका प्रथम मंत्र भी उपासना के साधन और सहायक की बात कहता है।साधन मनुष्य के अन्तःकरण के अंश – मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार हैं और सत्यज्ञान है, साधक मनुष्य है और सहायक परमेश्वर है।उन्होंने मन्त्र में आने वाले विभिन्न शब्दों का शाब्दिक अर्थ प्रस्तुत करते हुए उनका संयुक्त पदार्थ रखा।इस वेद मन्त्र के केंद्रीय भाव पर प्रकाश डाला और कहा कि यह मन्त्र भक्ति भाव में रहकर ईश्वर से निकटता स्थापित करने पर केंद्रित है और भक्ति भावनाओं से भरा है। फिर मन्त्र को बारह अंशों में विभक्त करते हुए,एक एक अंश की विस्तार से व्याख्या की और मन्त्र के सार और मार्मिक अर्थ के परिपेक्ष में इन अंशों के भाव प्रकट किये। साथ ही अपने उद्बोधन के पूर्वभाग में यह तथ्य सामने रखा कि सामवेद में साम शब्द के अर्थ – अंतकर्म और ईश्वर समान बड़े महत्वपूर्ण हैं।वक्तव्य के उत्तरार्द्ध में कहा कि ईश्वर सच्चिदानंद होने के कारण मनुष्य के लिए अध्यात्मिक तृप्ति एवं आनंद का स्रोत है उस का प्रदाता है।मनुष्य तो अल्प बुद्धि और अल्प शक्तियों और अल्प ज्ञान वाला है।सत्यज्ञान से मनुष्य अपने और ईश्वर के कर्म और स्वभाव समझे और ऐसा करके ही वह ईश्वर और स्वयं की दूरी मिटा सकता है।उपासना इसी की प्रक्रिया है।उपासना में ईश्वर अपने साधक के अन्तःकरण के विकार दूर करते हुए उसको पवित्र करता है।ईश्वर के कुछ गुणों का मनुष्य की आत्मा में समावेश होता है। यह अध्यात्मिक यज्ञ है।परमात्मा हर यज्ञ का केंद्र बिंदु है और उपासना यज्ञ में लीन मनुष्य को यह तथ्य भली भांति समझना चाहिए।यज्ञ को सफलतापूर्वक संपन्न करने वाला ईश्वर ही है।इसलिए अपने जीवन को सफल बनाने के लिए ईश्वर के साथ सामिप्य बनाये रखना महत्वपूर्ण है।जीवन में भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति स्वयं के पुरुषार्थ और ईश्वर कृपा पर निर्भर है और इस पुरुषार्थ में ईश्वर स्तुति,प्रार्थना और उपासना भी आ जाते हैं।इनमें भी उपासना अंतकर्म होने के कारण विशेष महत्त्व रखता है। सामवेद उपासना का वेद होने के कारण हमें यह बताता है कि ईश्वर से मानव जीवात्मा जितना प्रेम करती है, उससे दस गुना अधिक प्रेम ईश्वर जीवात्मा से करता है। भक्त या साधक की आत्मा और परमात्मा के मिलन से आध्यात्मिक यज्ञ संपन्न होता है,जिसका लाभ साधक समेत ईश्वर की प्रजा को होता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री ऊषा सूद व अध्यक्ष विद्योतमा झा ने भी अपने विचार रखे।केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, ईश्वर देवी, कमला हंस, कुसुम भण्डारी, आदर्श सहगल, कौशल्या अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

वेदों के सही अर्थ को समझना होगा –आचार्य हरिओम शास्त्री

सोमवार, 28 अगस्त 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'बन्दहुं चारिउ वेद भव बारिधि बोहित' 'सरिस' इस विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता आचार्य हरि ओ३म् शास्त्री ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है कि मैं चारों वेदों की वन्दना करता हूं जो संसार सागर को पार करने के लिए जहाज के समान है।इतनी बातें तो शास्त्रानुसार ठीक है परन्तु उन्होंने इस दोहे की दूसरी पंक्ति में लिखा कि 'जिन्हहि न सपनेहुं खेद बरनत रघुवर बिमल जसु।।' अर्थात् रघुनाथ श्री राम जी का वर्णन करते हुए जिन्हें स्वप्न में भी खेद नहीं होता है।।

क्या वेदों में श्री राम जी का वर्णन मिलता है? क्या वेद श्री राम जी के विमल यश का वर्णन करते हैं?

ऋषि दयानन्द सरस्वती जी और आर्य समाज मानव सृष्टि के प्रारंभ में ही अग्नि,वायु,आदित्य और अंगिरा नामक चार ऋषियों के माध्यम से क्रमशःऋग्वेद, यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद इन चारों वेदों को मानवों की आत्मा के कल्याण हेतु ईश्वर के द्वारा उत्पन्न मानते हैं और मानव सृष्टि को उत्पन्न हुए लगभग दो अरब वर्ष हो गए।अतः वेद भी इतने ही वर्ष पुराने हैं तो उनमें लगभग 870000 वर्ष पहले हुए श्री राम चन्द्र जी कि वर्णन कैसे मिल सकता है।इसी कारण वेदों के प्रयोजन को अच्छी तरह न समझने के कारण कई भारतीय और विदेशी विद्वानों ने उनके अर्थों का अनर्थ कर डाला है।उनमें श्री सायणाचार्य,महीधर, उव्वट कीथ,ग्रिफिथ और मैक्समूलर आदि प्रमुख हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी भी इसी तरह के मध्यकालीन वेद भाष्यकारों से प्रभावित होकर ऐसा लिख गये हैं।वेदों के अर्थों को करने हेतु वैदिक शिक्षा के छह अंगों को पढ़ना और समाधिस्थ होना पड़ता है।जो उपरोक्त भाष्यकारों में नहीं मिलता है। व्याकरण के ज्ञाता विद्वान जानते हैं कि शब्दों के तीन तरह से अर्थ किए जाते हैं –रूढ़,योगरूढ़ और यौगिक।वेदों के भाष्य करते समय जो विद्वान रूढ़ और योगरूढ़ विधि का आश्रय लेते हैं वे वेदों के सत्य अर्थ को नहीं कर सकते हैं। वेदों का सत्य अर्थ तो केवल यौगिक विधि से ही किया जा सकता है।जिसे ऋषि दयानंद सरस्वती जी ने अपनाया है।जिन राम,दशरथ,शत्रुघ्न,सुग्रीव,सीता, विश्वामित्र और वशिष्ठ,अर्जुन,भीम आदि ऐतिहासिक महानुभावों के नामों को वेदों में पढ़कर विद्वान इन महापुरुषों का वर्णन वेदों में मानते हैं।उनके जन्म से भी लाखों करोड़ों वर्षों पहले वेदों का प्रकाश संसार में हो चुका था।अतः इन महापुरुषों के परिवार के गुरुजनों ने वेदों में महिमा युक्त इन नामों को अपने शिष्यों के बच्चों के नाम रखे थे।अतः ये सभी शब्द यौगिक थे।जैसे जिस राजा का रथ दशों दिशाओं में चलता था उसे दशरथ, अपने शत्रुओं का नाश करने वाले को शत्रुघ्न और सृष्टि के कण कण में बसे भगवान को राम कहते हैं। इसी प्रकार अन्य सभी नामों के अर्थ भी होते हैं।अतः ऋषिवर दयानन्द जी की शैली को अपनाकर ही हम वेदों के सत्य अर्थ को समझ सकते हैं। मुख्य अतिथि ओम सपरा व राज सरदाना ने विषय की विवेचना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद किया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, ईश्वर देवी, कमला हंस, कमलेश चांदना, सन्तोष धर, सरला बजाज आदि के मधुर भजन हुए।

हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानंद व्याख्यान माला सम्पन्न

दिल्ली विश्वविद्यालय के महात्मा हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वी जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वेद विश्व के सबसे पुरातन ग्रंथ है और सनातन धर्म आज भी है, कल भी था एवं सदेव रहेगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रमा शर्मा प्रधानाचार्य ने किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. योगेन्द्र सिंह, युवराज मलिक,अजय सूरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,ओम सपरा, प्रतिभा सपरा,पिंकी आर्या ने रक्षा मंत्री को वैदिक साहित्य भेंट कर सम्मानित किया।

छत्रपति शिवाजी कल्याण समिति द्वारा आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी में श्रीमती किरण चोपड़ा (पंजाब केसरी) का अभिनंदन करते हुए जय भगवान गोयल, साथ मे अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में आदर्श नगर दिल्ली के क्लब पंजाबिया दा मे पिंकी आर्या को सम्मानित करते प्रधान रामकुमार बरार।

रविवार 10 सितम्बर 2023, आर्य समाज अशोक विहार फेज 1, दिल्ली में तीन दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। आचार्य राजू वैज्ञानिक के प्रवचन, संगीता आर्या, पुष्पा चुग के भजन हुए। चित्र में अनिल आर्य के साथ प्रेम सचदेवा, आर के दुआ, जीवन लाल आर्य, पिंकी आर्या व कविता आर्या। द्वितीय चित्र में आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट 1, दिल्ली के संरक्षक श्री राम कृष्ण तनेजा का अभिनंदन करते हुए अनिल आर्य।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970